# अध्याय-४

# प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

# अध्याय–4

## परिणाम एवं विश्लेषण

### 4.1.0 प्रस्तावना

शोध कार्य का महत्वपूर्ण भाग आँकड़ो का विश्लेषण होता है इसके अन्तर्गत् निहित तथ्यों एवं आंकडों को निर्धारित करने हेतु सारणीबद्ध विषय–सामग्री का अध्ययन किया जाता है। विश्लेषण प्रक्रिया का उपयोग प्रारंभ से ही किसी न किसी रूप में किया जाता है उदाहरण समस्या के चयन में विधियों के निर्धारण में, संकलित प्रदत्तों की व्याख्या करने और निष्कर्ष निकालने में आँकड़ों के विश्लेषण को 3 भागों में विभाजित किया गया है।

1. आँकड़ो का सामान्य वितरण
2. चरों के मध्य संबंधों का अध्ययन
3. उपचरों के मध्य संबंधों का अध्ययन

प्रस्तुत अध्ययन में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन किया गया है।

### 4.2.0 आँकड़ो का सामान्य वितरण

न्यादर्श का संग्रह एवं उसके स्वरूप का विवरण उपचरों के अनुसार ग्राफीय निरूपण द्वारा दर्शाया गया है।

#### लिंग

न्यादर्श वितरण लिंग के अनुसार किया गया है। लिंग भेद समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुछ समय पूर्व तक व्यवसाय का निर्धारण लिंग के आधार पर होता था। इस अध्ययन में लिंग से तात्पर्य

छात्र–छात्राओं के भेद से है। अर्थात् छात्र–छात्राओं केसमायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंधों का अध्ययन किया गया है।

**तालिका क्रमांक–1.0 में न्यादर्श संग्रह एवं उसके स्वरूप के अन्तर्गत लिंग को दर्शाया गया है।**

| क्र. | वर्ग | संख्या | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | छात्र | 68 | 54.4 |
| 2. | छात्रायें | 57 | 45.6 |

तालिका क्रमांक–1 के अनुसार लिंग को छात्र एवं छात्रायें इन दो वर्गों में विभाजित किया गया है। इसकी कुल संख्या 125 है अर्थात् छात्र 68 एवं छात्रायें 57 है। छात्र–छात्राओं का प्रतिशत 54.4 एवं 45.6 है।

## 4.3.0 शोध के उद्देश्य

1. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
2. केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
3. केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करना।
4. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन ज्ञात करना।
5. केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों का समायोजन ज्ञात करना।
6. केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं का समायोजन ज्ञात करना।
7. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना।
8. केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना।
9. केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य संबंध ज्ञात करना।

10. केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं विषयवार शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध ज्ञात करना।

## 4.4.0 शोध की परिकल्पनायें, परिणाम एवं विश्लेषण

चरों के मध्य संबंधों का अध्ययन।

### 4.4.1 परिकल्पना क्रमांक–1

*केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।*

परिकल्पना क्रमांक 1 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

**तालिका क्रमांक–1.1 शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध**

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 123 | .316 | सार्थक संबंध है |

*0.01 स्तर पर सार्थक संबंध है।*

शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध गुणांक–विश्लेषण

उपरोक्त तालिका में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। कुल विद्यार्थियों की संख्या 125 है। इसका (df) स्वतंत्रता अंश 123 है।

समायोजन शैक्षिक उपलब्धि एवं के मध्य सहसंबंध .316 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार 0.01 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य .228

है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से कम है। अतः शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–1 केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्ष** :–उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

### 4.4.2 परिकल्पना क्रमांक–2

***केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।***

परिकल्पना क्रमांक–2 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों के मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

**तालिका क्रमांक–2 छात्रों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध**

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 66 | .298 | सार्थक संबंध है |

*0.05 स्तर पर सार्थक संबंध है।*

शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध गुणांक–विश्लेषण

उपरोक्त तालिका में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। कुल छात्रों की संख्या 68 है। इसका स्वतंत्रता अंश 66 है।

शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध .298 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार 0.05 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से कम है। अतः शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–2 केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.05 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्ष** :–उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

### 4.4.3 परिकल्पना क्रमांक–3

*केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य कोई सार्थक संबंध नहीं है।*

परिकल्पना क्रमांक 3 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों के मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

तालिका क्रमांक–3 छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 55 | .325 | सार्थक संबंध है |

*0.01 स्तर पर सार्थक संबंध है।*

शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध गुणांक–विश्लेषण

उपरोक्त तालिका में शैक्षिक उपलब्ध एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। कुल छात्राओं की संख्या 57 है। इसका स्वतंत्रता अंश 55 है।

शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध .325 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार 0.01 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से कम है। अतः शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–3 केन्द्रीय विद्यालय के छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्षः**–उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि केन्द्रीय विद्यालय की छात्राओं के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

### 4.4.4 परिकल्पना क्रमांक–4

*केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं अंग्रेजी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।*

परिकल्पना क्रमांक 4 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों मध्य के संबंधों का पता लगाया जा सके।

**तालिका क्रमांक–4 समायोजन एवं अंग्रेजी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध**

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 123 | .307 | सार्थक संबंध है |

*0.01 स्तर पर सार्थक संबंध है।*

उपरोक्त तालिका में शैक्षिक उपलब्ध एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। कुल की संख्या 125 है। इसका स्वतंत्रता अंश 123 है।

समायोजन एवं अंग्रेजी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध .307 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार 0.01 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य .224 है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से कम है। अत अंग्रेजी विषय में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–3 केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्षः** उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि केन्द्रीय विद्याल के का समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

### 4.4.5 परिकल्पना क्रमांक–5

***केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।***

परिकल्पना क्रमांक 5 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों के मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

**तालिका क्रमांक–5 समायोजन एवं हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध**

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 123 | .422 | सार्थक संबंध है |

***0.01 स्तर पर सार्थक संबंध है।***

समायोजन एवं हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक विश्लेषण–उपरोक्त तालिका में शैक्षिक उपलब्ध एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। विद्यार्थियों संख्या 125 है। इसका स्वतंत्रता अंश 123 है।

समायोज एवं हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध . 422 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार 0.01 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य .228 है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से कम है। अत हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–5 केन्द्रीय विद्यालय के की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्षः** उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं हिन्दी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

### 4.4.6 परिकल्पना क्रमांक–6

***केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।***

परिकल्पना क्रमांक 6 में सांख्यिकी तकनीक के अन्तर्गत सहसंबंध गुणांक का प्रयोग किया गया है जिसकी परीक्षण से चरों के मध्य संबंधों का पता लगाया जा सके।

**तालिका क्रमांक–6 समायोजन एवं गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध**

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 123 | .196 | सार्थक संबंध है |

*0.05 स्तर पर सार्थक संबंध है।*

समायोजन एवं गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक विश्लेषण–उपरोक्त तालिका में गणित विषय शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। कुल विद्यार्थियों की संख्या 125 है। इसका स्वतंत्रता अंश 123 है।

समायोजन एवं गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध .196 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार .005 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से कम है। अत गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–6 केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की गणित विषय शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.05 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्षः** उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य धनात्मक सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।

### 4.4.7 परिकल्पना क्रमांक–7

*केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।*

समायोजन एवं विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक विश्लेषण

**तालिका क्रमांक–7 समायोजन एवं विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध**

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 123 | .165 | सार्थक संबंध नही है |

उपरोक्त तालिका में विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। कुल विद्यार्थियों की संख्या 125 है। इसका स्वतंत्रता अंश 123 है।

समायोजन एवं विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध .165 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार 0.05 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य .174 है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से अधिक है। अत विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–7 केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों की विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.05 स्तर पर स्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्ष** :उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं में विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध नहीं है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में प्रभाव कोई नहीं पडेगा ।

## 4.4.8 परिकल्पना क्रमांक–8

*केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई संबंध नहीं है।*

समायोजन एवं सामाजिक विज्ञान विषय में में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध गुणांक विश्लेषण

**तालिका क्रमांक–8 समायोजन एवं सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध**

| वर्ग | df | r | सार्थकता |
|---|---|---|---|
| शैक्षिक उपलब्धि<br>समायोजन | 123 | .300 | सार्थक संबंध है |

*0.01 स्तर पर सार्थक संबंध है।*

उपरोक्त तालिका क्र.8 में विषय सामाजिक विज्ञान में समायोजन के मध्य सहसंबंध दर्शाया गया है। कुल विद्यार्थियों की संख्या 125 है। इसका स्वतंत्रता अंश 123 है।

समायोजन एवं सामाजिक विज्ञान विषय विषय में शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध .300 प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता अंश के आधार 0.01 स्तर पर सारणी का मानक मूल्य .228 है जो कि प्राप्त सहसंबंध गुणांक से है। अतः सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है।

अतः परिकल्पना क्रमांक–8 केन्द्रीय विद्यालय के सामाजिक विज्ञान विषय की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन के मध्य सार्थक संबंध नही है, को 0.01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है।

**निष्कर्षः** उपरोक्त परिणाम के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के समायोजन एवं सामाजिक विज्ञान विषय मे शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सहसंबंध है। अतः किसी भी एक चर के बढ़ने पर दूसरे चर में वृद्धि होगी।